



Mr.AVINAV RAJ



Ms.priyanka srivastva

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119333303



## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट    | वर     | कन्या  | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र         |
|--------|--------|--------|-----|---------|-----|-----------------|
| वर्ण   | शूद्र  | शूद्र  | 1   | 1.00    | --  | जातीय कर्म      |
| वश्य   | मानव   | मानव   | 2   | 2.00    | --  | स्वभाव          |
| तारा   | जन्म   | जन्म   | 3   | 3.00    | --  | भाग्य           |
| योनि   | महिष   | श्वान  | 4   | 2.00    | --  | यौन विचार       |
| मैत्री | शुक्र  | बुध    | 5   | 5.00    | --  | आपसी सम्बन्ध    |
| गण     | देव    | मनुष्य | 6   | 6.00    | --  | सामाजिकता       |
| भकूट   | तुला   | मिथुन  | 7   | 0.00    | हाँ | जीवन शैली       |
| नाड़ी  | अन्त्य | आद्य   | 8   | 8.00    | --  | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल :  |        |        | 36  | 27.00   |     |                 |

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.AVINAV RAJ का वर्ग मृग है तथा डेण्चतपलंदां तपअंजअं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.AVINAV RAJ और डेण्चतपलंदां तपअंजअं का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr.AVINAV RAJ मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।

डेण्चतपलंदां तपअंजअं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।**

**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्चतपलंदां तपअंजअं कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।**

**न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

**ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र**

लाइन तलाव रांची झारखंड

9835195382

9835195382



क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डेण्चतपलंदां तपअंजअं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr.AVINAV RAJ तथा डेण्चतपलंदां तपअंजअं में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र

लाइन तलाव रांची झारखंड

9835195382

9835195382